**1. कपट के आधार पर एक संविदा की रोक के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अतिसादर पूर्वक निवेदन करता है -**

1. वादी ................ रुपये के लिए ............... नगर के मोहल्ला ................. में स्थित भवन सं. ................ उससे क्रय करने हेतु प्रतिवादी के साथ तारीख ............... को संविदा की जिसमें से वादी ने उसके लिए विक्रय प्रतिफल के लिए अग्रिम धन के रूप में रुपये का उसको संदाय किया और शेष रहने वाली का संदाय विक्रय विलेख के निष्पादन क समय पर उप-रजिस्टार के समक्ष किया जाना था। विक्रय करने के करार का किसी प्रकार उपयुक्त तारीख पर किया गया जिसमें प्रतिवादी ने स्वयं को कथित भवन का एकस्व एवम् अनन्य स्वामी होना प्रदर्शित किया।
2. तारीख ............................ को वादी को यह जानकारी हुई कि उस वादी द्वारा प्रस्तुत या गया अभ्यावेदन सही नहीं था और वह भवन का एकस्व एवम् अनन्य स्वामी नहीं है बल्कि उसकी माता श्रीमती ..........................रुपये के एक दहेज ऋण में कथित भवन पर एक प्रभार है आर उपर्युक्त भवन में 18 हिस्सा भी रखती है। वादी ने यह प्रदर्शित करके, नगर पालिका अभिलेखों में अपना नाम कैसे भी दाखिल खारिज करवा लिया है जिसको वादी सत्य और सही होने पर विश्वास करती है।
3. यह कि परिस्थितियों में न तो प्रतिवादी वादी के पक्ष में एक विधिमान्य विक्रय का निष्पादन कर सकता है और न ही उसकी माता प्रभार को छोड़ने के लिए या प्रस्तावित विक्रय विलेख पर प्रतिवादी के साथ एक हस्ताक्षरकर्ता होने के लिए तैयार है। ऐसे रुप में वादी तारीख ............................... को प्रतिवादी द्वारा प्राप्त की गयी एक रजिस्ट्रीकृत नोटिस के माध्यम से करार का विखण्डन कर दिया है।
4. यह कि वाद हेतुक तारीख ................................ को इस न्यायालय की अधिकारिता के अन्दर उत्पन्न हुआ वादी यथापरोक्त उस पर प्रतिवादी द्वारा कारित किये गये दुर्विनियोग द्वारा कपट की जानकारी हुई।
5. यह कि वाद का मूल्यांकन अग्रिम धनराशि एवम् ................................ प्रतिशत वार्षिक की दर पर उस पर ब्याज .................................. रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस का संदाय दावाकृत। अनुतोष के अनुसार किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी उसके भुगतान किया जाने तक तत्पश्चात् रकम एवम् ब्याज पर ........................... प्रतिशत वार्षिक की दर पर वाद दाखिल करने की आज की तारीख तक ब्याज सहित उपर्युक्त अग्रिम धनराशि की ............................... रुपये को संदाय का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी